Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

Test Booklet No.

D—9106

PAPER—III

PRAKRIT

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :

   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.

   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नज़्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उज़र, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिज़्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिज़्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारज़्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निज़्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :

   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।

   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संज़्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उज़र-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उज़र-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उज़र-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उज़र के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

PRAKRIT

प्राकृत

PAPER—III

प्रश्न-पत्र—III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : **यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अज्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उज़र अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।**

SECTION - I

खण्ड—I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks. Answer all questions in Prakrit only.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निज़्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उज़र लगभग तीस (30) शज़्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंको का है। सभी प्रश्नों के उज़र केवल प्राकृत में ही दें।

(5x5=25 अंक)

तज़्मि य नयरे अतीव सयलजणबहमओ, धज़्मसत्थ-संघायपाढओ, लोगववहारोनीइकुसलो, अप्पारज़्भपरिग्गहो जन्नदज़ो नाम उवज्झाो ज़ि। तस्स य सोमदेवागज़्भसंभओ, महल्लतिकोणुज़िमंगो, आपिंगलवट्टलोयणो, ठाणमेज़ोवलज़्खिय-चिविडनासो, बिलमेज़कण्णसन्नो, विजियदन्तच्छयमहल्लदसणो, वंकसुदीहरसिरोहरो, विसमपरिहस्सबाहुजुयलो, अइमडहवच्छत्थलो, वंकविसमलज़्बोयरो, एज़्कमासुन्नयमहल्लवियड कडियडो, विसमपइट्ठिउरूजुयलो, परिथूलकढिण हस्सजंघो, विसमवित्थिण्णचलणो, हुतहुयवहसिहाजालपिंगकेसो, अग्गिसज़्मो नाम पुज़ो ज़ि।

Answer the following five questions keeping in view of the above text.

उपर्युज़्त गद्यांश के आधार पर निज़्नलिखित पाँच प्रश्नों के उज़र दीजिए।

1. This passage has been taken from which text? Give a brief introduction of that text.
यह गद्यांश किस ग्रन्थ से लिया गया है, उसका संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

2. Describe the features of Agnisharma as given in the paragraph.
गद्यांश में वर्णित अग्निशर्मा के स्वरूप का वर्णन कीजिए ।

3. What are the qualities of Jannadatta Upadhyaya?
जन्नदत्त उपाध्याय के क्या गुण है ?

4. Who was the mother of Agnisharma?

अग्निशर्मा की माता का नाम क्या है ?

5. Who was the friend of Agnisharma?

अग्निशर्मा का मित्र कौन था ?

SECTION - II

खण्ड—II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks. Answer all questions in Prakrit only.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच (5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उज़र लगभग तीस (30) शज़्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है। सभी प्रश्नों के उज़र केवल प्राकृत में ही दें।

(5x15=75 अंक)

6. Prakrit was a common dialect during Vedic period. Explain.

वैदिक काल में प्राकृत एक जनबोली थी । इस कथन की व्याख्या कीजिए ।

7. Write a note on the etymology of the word Prakrit.
प्राकृत शब्द की व्युत्पत्ति पर एक टिप्पणी लिखिए ।

8. Write any five characteristics of Śaurasenī.
शौरसेनी की कोई पाँच विशेषताएं लिखिए ।

9. Explain any five characteristics of Mahārāṣṭrī Prakrit.
महाराष्ट्री प्राकृत की कोई पाँच विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

10. Write a note on the nature of Apabhraṁśa.
अपभ्रंश के स्वरूप पर एक टिप्पण लिखिए ।

11. Write a note on the works of Prakrit metre.

प्राकृत छन्द पर एक टिप्पण लिखिए ।

12. Write a short note on the concept of Naya.

नयसिद्धान्त पर एक टिप्पण लिखिए ।

13. Write a note on the context of Namipavajjā of the Uttarādhyayana Sūtra.

उत्तराध्ययन सूत्र के नमिपवज्जा के विषयों पर टिप्पण लिखिए ।

14. Translate into Hindi or English

हिन्दी अथवा अंग्रेजी में अनुवाद करें ।

चारित्तं खलु धम्मो–धम्मो जो सो समोत्ति णिद्दिट्ठो ।
मोहवज़्खोहविहीणो परिणामो अप्पणो हि समो ।

15. Write the names of the work of Kundakunda.

कुन्दकुन्द की कृतियों के नाम लिखिए ।

16. Translate into Hindi or English

हिन्दी अथवा अंग्रेजी में अनुवाद करें ।

अत्थविसेसा ते च्चिअ सद्दा
ते च्चेव परिणमन्ता वि ।
उत्तिविसेसे कण्वं भासा जा
होउ सा होउ ।।

17. Write the names of Prakrits with example used in the Mṛcchakaṭikam.
मृच्छकटिकम् में प्रयुक्त प्राकृतों के नाम उदाहरण सहित लिखिए ।

18. What do you know about the author of Setubandha?
सेतुबन्ध के रचयिता के विषय में आप क्या जानते है ?

19. Decline the word Jina

जिन शब्द के रूप लिखें

20. Write a note on Prakrit campū text.

प्राकृत के चम्पु ग्रंथ पर टिप्पण लिखें ।

SECTION - III

खण्ड—III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered in about two hundred (200) words. Answer all questions in Prakrit only.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में बारह (12) अंकों के (5) पाँच प्रश्न है । प्रत्येक प्रश्न का उज़र लगभग दो सौ (200) शज़्दों में अपेक्षित है. सभी प्रश्नों के उज़र केवल प्राकृत में ही दें।

(12x5=60 अंक)

21. Write the main features of Prakrit Narrative literature.

प्राकृत कथा साहित्य के प्रमुख विशेषताओं पर लिखें ।

22. Define the character of Śakāra as depicted in the mṛcchakaṭikam.

मृच्छकटिकम् में वर्णित शकार के चरित्रों का वर्णन करें ।

23. Write about the development of ṛ, ḷ, ai and au in Prakrit

प्राकृत में ऋ, ऌ, ऐ एवं औ के विकास पर लिखें ।

24. Write about Ajīva as depicted in the Dravyasaṃgraha

द्रव्यसंग्रह मे वर्णित अजीव तत्त्व के विषय पर लिखें ।

25. Write briefly the subject matter of Nāyakumāra cariu of Puṣhpadanta.

पुष्पदन्त कृत नायकुमारचरिउ की विषय–वस्तु को संक्षेप में लिखें ।

SECTION - IV

खण्ड—IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. Answer in Prakrit only.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उज़र निज़्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शज़्दों में अपेक्षित है। केवल प्राकृत में ही उज़र दें।

(40x1=40 अंक)

26. Discuss the origin and development of Prakrit language.

प्राकृत भाषा के उद्भव एवं विकास का विवेचन कीजिए ।

OR / अथवा

Write an essay on any <u>one</u> of the following :

(1) जैनदर्शन में ज्ञानमीमांसा

(2) प्राकृत सट्टक साहित्य

(3) प्राकृत के मुज़्त काव्य

(4) आचारंगसूत्र एवं उत्तराध्ययनसूत्र

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....